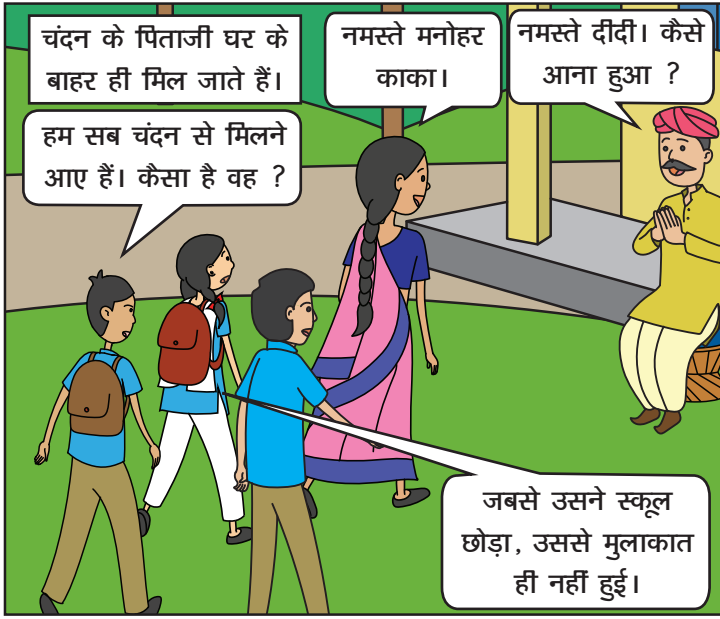


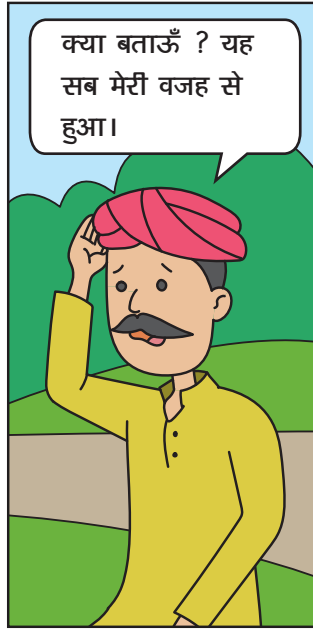


खुशी हो या गम, नहीं पीएंगे हम



पिछले अंक में हमने पढ़ा कि माधव की शाला के कुछ लड़कों को (और लड़कियों को भी) गुटखे की और कुछ लड़कों को सिगरेट की लत लग गई थी। सही समय पर यह बात माधव और मुस्कान को पता चल गई। तभी आशा दीदी ने उन्हें चंदन के बारे में बताया। वे कुछ दोस्तों के साथ चंदन के घर गए। अब आगे पढ़ते हैं वहाँ उन्होंने क्या देखा -









पढ़ी गई कहानी के अनुसार, हम कुछ मुद्दों पर चर्चा करेंगे:



दौड़ती का
झकावात्मक प्रभाव



माधव, मुस्कान चंदन से
मिलने क्यों गए ?



झंगति का अझन
देखवा-देखवी



कोई भी बुरी लत दोस्तों के संग
देखा-देखी कैसे लग जाती है।



झावाब के झावीविक,
मानझिक दुष्प्रभाव



शराब पीने से तन-मन
और आर्थिक स्थिति पर
क्या-क्या दुष्प्रभाव पड़ता
है विस्तार से चर्चा करें।



झामाझिक
कलं क



नशा करने वालों को समाज किस
दृष्टि से देखता है ?

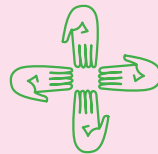


मुक्ति हेतु
झहायक तंत्र



आशा दीदी चंदन को सही रास्ते
पर लाने के लिए किसके पास
ले गई ?

झुधाव/
परिवर्तन



चंदन को और उसके पिताजी
को किस बात पर पछतावा
था ?

याद रखने वाले मुख्य संदेश

नशे का दुष्प्रभाव



- ❖ लत लगने के बाद उस नशीले पदार्थ की तलब (भूख) लगती है। जिसे हर हाल में व्यक्ति पूरा करना चाहता है।
- ❖ जब नशीले पदार्थ आसानी से उपलब्ध नहीं होते तो उन्हें पाने के लिए व्यक्ति गलत काम करना शुरू कर देते हैं। जैसे चोरी करना, डराना, धमकाना, छीनना आदि।
- ❖ नशा धीरे-धीरे आदत बन जाता है। व्यक्ति तबाकू के पाऊच से आरंभ करता है फिर कई बार बीड़ी-सिगरेट, शराब आदि की लत भी लग जाती है।
- ❖ व्यसन घर-परिवार की अर्थ व्यवस्था को चरमरा देते हैं।
- ❖ नशीला पदार्थ कोई भी हो शरीर को हानि पहुँचाता है। खाँसी, दमा, टी.बी., कैंसर जैसी जान लेवा बीमारियाँ इनकी लत से ही होती है।
- ❖ नशा न मिलने पर तनाव, चिड़चिड़ापन, शरीर में दर्द, थकान आदि लक्षण दिखाई देते हैं। इनके कारण व्यक्ति घर या बाहर लड़ाई-झगड़ा, मारपीट, हिंसा आदि कार्य करने लगता है।
- ❖ व्यसनी होने पर पढ़ाई करने, नौकरी मिलने में भी समस्याएँ आती है।
- ❖ जिम्मेदारियों का वहन करना मुश्किल हो जाता है।
- ❖ नशा करने वाले व्यक्ति की परिवार में और समाज में कहीं भी कोई इज्जत नहीं रह जाती।



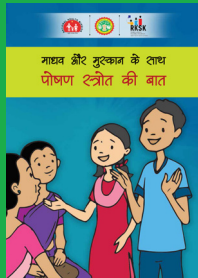
भूमिकाएं और जिम्मेदारियां

- ❖ आशा की सहायता से गांव में 10 से 19 वर्ष की आयु के सभी किशोर/किशोरियों की सूची तैयार करना।
- ❖ स्वास्थ्य एवं संरक्षण के मुद्दों के संबंध में मिथकों और भ्रांतियों को दूर करने में किशोर/किशोरियों की सहायता करना।
- ❖ आशा/ए.एन.एम. की सहायता से आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सीय व सुरक्षा संबंधी जरूरत में दूसरी जगह रेफर करवाना।
- ❖ किशोर/किशोरियों की बातों की हमेशा गोपनीयता बनाए रखना।
- ❖ बच्चों और किशोर/किशोरी पर हिंसा के मामलों को पुलिस या बाल संरक्षण अधिकारी को सूचित करना।
- ❖ हिंसा के शिकार व्यक्ति की चिकित्सा देखभाल एवं परामर्श लेने और कानूनी सहायता हासिल करने में सहायता करना।
- ❖ धर्म, जाति, वर्ग, जेंडर या वैवाहिक स्थिति पर विचार किए बिना सभी किशोर/किशोरियों तक पहुंचना।

पहला अंक



दूसरा अंक



तीसरा अंक



चौथा अंक



पांचवां अंक



छठा अंक



सातवां अंक



आठवां अंक



नौवां अंक



दसवां अंक



बाराहवां अंक



बारहवां अंक



तेरहवां अंक



चौदहवां अंक



पंद्रहवां अंक



सोलहवां अंक

